आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 05.11.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. ए आई आधारित साइबर हमलों के बढ़ते खतरे को देखते हुए बैंकों और वित्तीय संस्थानों को सतर्क रहने की सलाह।
2. शासकीय सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने द्वीपवासियों से नागरिक सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील की।
3. द्वीपों की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता के संरक्षण पर जोर, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू।
4. कार निकोबार के टीटॉप और सवाई गांवों में सुनामी के खतरे से निपटने की तैयारियों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

<><><><><><><><>

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से किए जा रहे वित्तीय साइबर हमलों के बढ़ते मामलों को देखते हुए बैंकों, गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और फिनटेक संस्थानों को सतर्क किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत आई 4सी ने सभी वित्तीय संस्थानों को भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल के सुरक्षा दिशा–निर्देशों को तुरंत लागू करने की सलाह दी है। यह परामर्श वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाकर किए जा रहे साइबर हमलों और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जारी किया गया है। संस्थानों से अपनी डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और साइबर सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि एआई आधारित साइबर हमलों और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव किया जा सके।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने सभी नागरिकों, सरकारी कर्मचारियों एवं सरकारी सेवाओं के लाभार्थियों से राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस मूल्यांकन 2025 के नागरिक सर्वेक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस सर्वेक्षण

का उद्देश्य ऑनलाइन सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, सुगमता एवं प्रभावशीलता के संबंध में नागरिकों की राय प्राप्त करना है। नागरिक सर्वेक्षण में ऑनलाइन भाग लेने के लिए NeSDA पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित की गई है। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सर्वेक्षण में भाग लेकर अपनी प्रतिक्रिया देने की अपील की है, ताकि सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी, प्रभावी एवं नागरिक–अनुकूल बनाया जा सके।

<><><><><><><>

केंद्र सरकार ने विकसित भारत रोजगार आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी–जी राम जी) अधिनियम, 2025 के तहत चारा सुरक्षा, चारागाह विकास और पशुओं से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी किया है। यह परामर्श ग्रामीण विकास विभाग और पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने संयुक्त रूप से जारी किया है। इस पहल का उद्देश्य चारे की कमी दूर करना और पशुपालन से जुड़े ग्रामीण परिवारों, विशेषकर छोटे एवं सीमांत किसानों तथा भूमिहीन परिवारों की आजीविका को बेहतर बनाना है। इसके तहत तीन सौ पचहत्तर स्वीकृत कार्यों की सूची में से 22 कार्यों की पहचान की गई है। इनमें चारे की खेती एवं भंडारण, चारागाह विकास, पशुओं के लिए आश्रय स्थल, डेयरी सुविधाओं का विकास और पशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना शामिल है। सरकार की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

<><><><><><><>

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, उन्नीस सौ पैंतालीस में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत निर्धारित महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों पर गैर–मानक गुणवत्ता घोषित दवाओं के निर्माण लाइसेंस को तत्काल निलंबित करने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं के निर्माण और वितरण पर रोक लगाना तथा ऐसे मामलों में

त्वरित नियामक कार्रवाई सुनिश्चित करना है। इससे दवाओं की गुणवत्ता संबंधी अनुपालन व्यवस्था मजबूत होगी और मरीजों की सुरक्षा एवं जन स्वास्थ्य को बेहतर संरक्षण मिल सकेगा।

<><><><><><><>

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र की ओर से आज द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से इस कार्यशाला में विभिन्न सरकारी विभागों के 35 अधिकारी एवं कर्मचारी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंडमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. पी. वी. नागेंद्र शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि क्यारी के निदेशक डॉ. जयसुंदर और वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. एस. दिनेश कन्नन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. शर्मा ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों के संरक्षण पर जोर दिया। वहीं, डॉ. जयसुंदर ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और मैंग्रोव एवं प्रवाल भित्तियों जैसे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. दिनेश कन्नन ने विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। इससे पहले भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिक एवं कार्यशाला निदेशक डॉ. सी. शिवपेरुमन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की शोध, प्रशिक्षण और जैव विविधता संरक्षण संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी।

<><><><><><><>

कार निकोबार के टीटॉप और सवाई गांवों में आज सुनामी जागरूकता एवं आपदा तैयारी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा निकोबार जिला उपायुक्त कार्यालय के तत्वावधान में टीटॉप गांव के सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदायों को सुनामी के खतरों के प्रति जागरूक करना और आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सुनामी के कारणों, प्राकृतिक चेतावनी संकेतों, पूर्व चेतावनी प्रणाली, आपातकालीन संचार व्यवस्था तथा प्रशासनिक अलर्ट पर त्वरित कार्रवाई की

जानकारी दी गई। इसके अलावा सुरक्षित स्थानों, निर्धारित निकासी मार्गों, आपातकालीन किट और परिवार स्तर पर आपदा प्रबंधन की तैयारियों के बारे में भी जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के 30 तटीय गांवों में संचालित सुनामी तैयारी कार्यक्रम का हिस्सा है। आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा INCOIS, हैदराबाद तथा संबंधित जिला प्रशासनों के समन्वय से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य तटीय समुदायों को सुनामी जैसी आपदाओं के प्रति जागरूक, सतर्क और तैयार बनाना है।

<><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय ने दिसंबर माह के लिए एम.वी स्वराज द्वीप का अस्थायी जहाज परिचालन कार्यक्रम जारी कर दिया है। जलयान एम वी स्वराज द्वीप 1 दिसंबर को राजधानी श्री विजयपुरम से विशाखापत्तनम के लिए रवाना होगा और 4 दिसंबर को पहुँचेगा। इसके बाद 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम से राजधानी श्री विजयपुरम के लिए रवाना होकर 9 दिसंबर को पहुंचेगा। इसी प्रकार 11 दिसंबर को श्री विजयपुरम से चेन्नई और 17 दिसंबर को चेन्नई से श्री विजयपुरम के लिए यात्रा करेगा। इसके अलावा 22 दिसंबर को श्री विजयपुरम से विशाखापत्तनम जाएगा तथा 27 दिसंबर को विशाखापत्तनम से श्री विजयपुरम के लिए जहाज वापसी करेगा। इन यात्राओं के लिए यात्री टिकटों की अग्रिम बुकिंग 9 नवंबर को सुबह 9 बजे से शुरू होगी। टिकट डी एस एस के ई–टिकटिंग पोर्टल के माध्यम से 24 घंटे बुक किए जा सकेंगे। इसके अलावा STARS टिकट काउंटर से भी निर्धारित समय में टिकट प्राप्त किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>